कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 17.11.2025

/प्रेस विज्ञप्ति/

कन्या महाविद्यालय में

जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिाओं का आयोजन

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में 'जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत' जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर प्राचार्य डॉ0 रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ0 रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि जनजातीय समाज अपनी परम्पराओं, विशिष्ठ संस्कृति, श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के साथ भारतीय सभ्यता का अभिन्न हिस्सा है। जब-जब देश की सुरक्षा पर संकट आया तब-तब जनजातीय समाज ने अपने शौर्य और बलिदान से राष्ट्र की रक्षा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। डॉ0 सुषमा यादव ने कहा कि जनजातीय नायकों एवं वीरांगनाओं का स्वर्णिम योगदान हमारी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा व गौरव का प्रतीक है। वर्तमान समय में भी जनजातीय समाज की श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, महामहिम राष्ट्रपति के पद पर सुशोभित है। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों का योगदान विषय पर कु0 अंजनी प्रथम, नीतू कुंभकार द्वितीय एवं लिकेश्वरी तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में भारत की 'जनजातीय वीरांगनाऐं' विषय पर कु0 आर्या अवस्थी, रचना साहू प्रथम, अरिज नाज द्वितीय एवं नौशबा नाज तृतीय स्थान पर रहीं। चित्रकला प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति विषय पर खुशी प्रजापति प्रथम, भावना बंजारे द्वितीय एवं भावना निर्मलकर तृतीय स्थान पर रही। इस विधाओं में डॉ0 सुषमा यादव, श्रीमती ज्योति भरणे, श्रीमती वंदना बंजारे, डॉ0 श्रीमती सुनीता तिवारी निर्णायक के रूप रहे। जनजातीय नृत्य नेहा ढीमर, तृप्ति साहू, ट्विंकल साहू एवं समूह द्वारा प्रस्तुत किया गया। जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर चित्रकला प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर डॉ0 अमिता सहगल, डॉ0 के0 एल0 राठी एवं बड़ी संख्या में छात्राऐं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव एवं आभार प्रदर्शन श्री जागृत ठाकुर ने किया। श्री विमल यादव, श्री विजय चन्द्राकर एवं श्री बल्ला वैष्णव का विशेष योगदान रहा।

टीप - छात्रहित में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 रंजना श्रीवास्तव)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिाओं का आयोजन